

Inhalt

| | | |
|---|-----------|----|
| Einleitung | VII - XXV | |
| I Annäherungen | | |
| Eindrücke vom Stück - das Stück | 1 | |
| Individuum und Gesellschaft | 7 | |
| Amazonen und Griechen | 7 | |
| Das Drama als Liebesgeschichte | 10 | |
| Das Gesetz der Amazonen | 16 | |
| Die Frauen - Kultur und Natur | 24 | |
| Die Quellen | 29 | |
| Naturrecht | 29 | |
| Überlieferung | 36 | |
| Amazonen in der Französischen Revolution | 45 | |
| Die verschiedenen Fassungen der <i>Penthesilea</i> | 50 | |
| Tendenzen der Unterschiede von Erstdruck, Abschrift des Kopisten und <i>organischem Fragment</i> | 54 | |
| Die Szenenanweisungen | 54 | |
| Die Charaktere | 55 | |
| Weitere Unterschiede | 63 | |
| Änderungen in der Form | 70 | |
| II Aspekte des latenten Sinngefüges | | 80 |
| Bilder | | |
| Rosse | 84 | |
| Die Dogge - Wölfe und Köter | 88 | |
| Oben und Unten | | |
| Orkus und Olymp | 94 | |
| Häuptlings Schleifen | 97 | |
| Bilder | | |
| Vögel | 107 | |
| Strom und Luft | 126 | |
| Begegnungen | 136 | |
| Die Brust | 140 | |
| Blicken | 143 | |

| | |
|--|-----|
| Gewähren und Verweigern | 151 |
| Häse | 158 |
| Nochmals: Gewähren und Verweigern | 168 |
| | |
| Die Struktur des latenten Sinngefüges: Gestalten des Mütterlichen | 181 |
| Eine eigenartige Bestimmung der Geschlechter | 185 |
| Aktivität und Passivität | 190 |
| Formgebungen | 196 |
| | |
| III Überlegungen zum Zusammenhang von Werk und Lebensgeschichte | 198 |
| Übereinstimmende Bilder in Werk und Briefen | 199 |
| Kleist und die Frauen: Wilhelmine, die Braut | 228 |
| Kleist und Ludwig von Brockes | 243 |
| Kleist und die Frauen: Ulrike, die Schwester | 251 |
| Kleist, Rühle und Pfuel | 255 |
| Kleist und die Frauen: Marie von Kleist und Henriette Vogel | 268 |
| | |
| Beziehungsfiguren und Lebensentwürfe | 279 |
| | |
| Der Autor als Symbolbildner | 314 |
| | |
| Literatur | 328 |